है वक्त की ये आवाज संतो मिलकर कदम बढ़ाए।
हम आगे बढ़ते जाएं।।

हम याद करें गुरबचन गुरु की संतों वो कुर्बानी,
है देकर अपना लहू जिन्होंने मिशन को दी जिंदगानी,
एहसान उनका कभी भी संतों दिल से नहीं भुलाये।
हम आगे बढ़ते जाएं।।

इस जलती हुई दुनिया में अपना सद्गुरु है रखवाला,
हर आंधी और तूफानों से यह आप बचाने वाला,
जो अंग-संग है अंग रक्षक है ,इस बात को कभी ना भुलाये
हम आगे बढ़ते जाएं।।

है हमने किसी को नहीं दबाना खुद भी नहीं है दबना,
है हमने किसी को नहीं डराना खुद भी नहीं है डरना,
निरवैर बने और निर्मल निर्भय इस जीवन को बनाये।
हम आगे बढ़ते जाएं।।

सच पर मिटने वाले गुरु उस गुरबचन की कसम है,
मिशन पर जो कुर्बान हुए हो गए उनके लहू की कसम है,
संदेश अमन का सारे जगत में, मिलजुल कर पहुंचाएं ।
हम आगे बढ़ते जाएं।।

तर्ज: जहां डाल डाल पर सोने की...

12:17 pm